BISHOP SCOTT BOYS' SCHOOL
(Affiliated to CBSE, New Delhi) Affiliation No.: 330726, School Campus: Chainpur, Jaganpura, By-Pass, Patna 804453.
Phone Number: 7061717782, 9798903550. ,
Web: www.bishopscottboysschool.com Email: info@bishopscottboysschool.com

ONLINE STUDY MATERIAL
SUBJECT- HINDI GRAMMAR
SESSION-2020-21
CLASS-_5

CHAPTER No- 2
TOPIC: वर्ण विचार

(1) **वर्ण-**
बोलते समय हमारे मुख से जो ध्वनियाँ निकलती है, इन ध्वनियों को ही वर्ण कहा जाता है।
जैसे :- द्+आ+द्+आ =दादा

- **वर्ण की परिभाषा** –

हिन्दी भाषा में प्रयुक्त सबसे छोटी ध्वनि वर्ण कहलाती है।
जैसे-अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, क् ख् आदि।

- **वर्णमाला-**

वर्णों के समुदाय को ही वर्णमाला कहते हैं। हिन्दी वर्णमाला में 44 वर्ण हैं। उच्चारण और प्रयोग के आधार पर हिन्दी वर्णमाला के दो भेद किए गए हैं-
1. स्वर
2. व्यंजन

1.स्वर-
जिन वर्णों का उच्चारण स्वतंत्र रूप से होता हो और जो व्यंजनों के उच्चारण में सहायक हों वे स्वर कहलाते है। ये संख्या में ग्यारह हैं-
अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ।

उच्चारण के समय की दृष्टि से स्वर के तीन भेद किए गए हैं-
1. ह्रस्व स्वर।
2. दीर्घ स्वर।
1. ह्रस्व स्वर-
जिन स्वरों के उच्चारण में कम-से-कम समय लगता हैं उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं। ये चार हैं- अ, इ, उ, ऋ। इन्हें मूल स्वर भी कहते हैं।

2. दीर्घ स्वर-
स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से दुगुना समय लगता है उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं। ये हिन्दी में सात हैं- आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ।

- **विशेष-**

दीर्घ स्वरों को ह्रस्व स्वरों का दीर्घ रूप नहीं समझना चाहिए। यहां दीर्घ शब्द का प्रयोग उच्चारण में लगने वाले समय को आधार मानकर किया गया है।

- **<u>मात्राएँ-</u>**

स्वरों के बदले हुए स्वरूप को मात्रा कहते हैं स्वरों की मात्राएँ निम्नलिखित हैं-
स्वर मात्राएँ

शब्द अ × - कम
आ ा - काम
इ ि - किसलय
ई ी - खीर
उ ु - गुलाब
ऊ ू - भूल
ऋ ृ - तृण
ए े - केश
ऐ ै - है
ओ ो - चोर
औ ौ - चौखट
अ वर्ण (स्वर) की कोई मात्रा नहीं होती। व्यंजनों का अपना स्वरूप निम्नलिखित हैं-
क् च् छ् ज् झ् त् थ् ध् आदि।

अ लगने पर व्यंजनों के नीचे का (हल) चिह्न हट जाता है। तब ये इस प्रकार लिखे जाते हैं-
क च छ ज झ त थ ध आदि।

- **अनुस्वार-**

इसका उच्चारण नासिक्य(नाक) ध्वनि के साथ होता है।इसे बिंदी(ं) के रुप में वर्ण पर लगाया जाता है। इसका प्रयोग पंचम वर्ण के स्थान पर होता है। इसका चिन्ह (ं) है।
जैसे- सम्भव=संभव, सञ्जय=संजय, गङ्गा=गंगा।

- **विसर्ग-**

इसका उच्चारण ह् के समान होता है। इसका चिह्न (:) है। जैसे-अतः, प्रातः।

- **चंद्रबिंदु-**

जब किसी स्वर का उच्चारण नासिका और मुख दोनों से किया जाता है तब उसके ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) लगा दिया जाता है।
यह अनुनासिक कहलाता है। जैसे-हँसना, आँख। लेकिन आजकल आधुनिक पत्रकारिता में सुविधा और स्थान की दृष्टि से चंद्रबिन्दु को लगभग हटा दिया गया है। लेकिन भाषा की शुद्धता की दृष्टि से चन्द्र बिन्दु लगाए जाने चाहिए।

- **<u>नुक्ता-</u>**

इसे निम्न बिंदु भी कहा जाता है अरबी फारसी में आए शब्दों में इसका प्रयोग होता है जैसे कागज़, ज़ंग ,काफ़ी, राज़ ,फ़ोज आदि ।
<u>आगत स्वर(ऑ)</u>
अंग्रेजी में आए शब्दों में आगत स्वर का प्रयोग होता है। जैसे कॉलेज, कॉफी, मॉल, बॉल, डॉल ,कॉपी आदि ।

- **<u>हलंत-</u>**

जब कभी व्यंजन का प्रयोग स्वर से रहित किया जाता है तब उसके नीचे एक तिरछी रेखा (्) लगा दी जाती है।

यह रेखा हल कहलाती है। हलयुक्त व्यंजन हलंत वर्ण कहलाता है। जैसे-सतत्

(2)व्यंजन-

जिन वर्णों के पूर्ण उच्चारण के लिए स्वरों की सहायता ली जाती है वे व्यंजन कहलाते हैं। अर्थात व्यंजन बिना स्वरों की सहायता के बोले ही नहीं जा सकते। ये संख्या में 33 हैं। इसके निम्नलिखित तीन भेद हैं-

1. स्पर्श
2. अंत:स्थ
3. ऊष्म

1. स्पर्श-

इन्हें पाँच वर्गों में रखा गया है और हर वर्ग में पाँच-पाँच व्यंजन हैं। हर वर्ग का नाम पहले वर्ग के अनुसार रखा गया है।
जैसे-
कवर्ग- क् ख् ग् घ् ड़्
चवर्ग- च् छ् ज् झ् ञ्
टवर्ग- ट् ठ् ड् ढ् ण् (ड़् ढ्)
तवर्ग- त् थ् द् ध् न्
पवर्ग- प् फ् ब् भ् म्

2. अंत:स्थ-

ये निम्नलिखित चार हैं-
य् र् ल् व्

3. ऊष्म-

ये निम्नलिखित चार हैं-
श् ष् स् ह्

- **संयुक्त व्यंजन -**

जहाँ भी दो अथवा दो से अधिक व्यंजन मिल जाते हैं वे संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं, किन्तु देवनागरी लिपि में संयोग के बाद रूप-परिवर्तन हो जाने के कारण इन तीन को गिनाया गया है। ये दो-दो व्यंजनों से मिलकर बने हैं।
जैसे-क्ष=क्+ष अक्षर
त्र=त्+र नक्षत्र
ज्ञ=ज्+ञ ज्ञान

- **संयुक्ताक्षर-**

जब दो भिन्न व्यंजनों को मिलाकर लिखा जाता है, तो वह संयुक्ताक्षर कहलाता है। इसमें पहला व्यंजन स्वर रहित और दूसरा स्वर सहित होता है; जैसे-
ध्+य=ध्य- ध्यान , मध्य
द् +व= द्व – द्वारा, विद्वान

- **द्वित्व व्यंजन-**

दो समान व्यंजनों को मिलाकर बने व्यंजन द्वित्व व्यंजन कहलाते हैं इसमें भी पहला व्यंजन स्वर और दूसरा स्वर सहित

होता है ;जैसे –
त्+ त= त्त – कुत्ता,गत्ता
म्+म = म्म—अम्मा,सम्मान

- **र' के विभिन्न रूप**

जब ' र' स्वर रहित यानी आधा होता है तब वह अपने अगले व्यंजन के ऊपर लगता है इसे रेफ भी कहते हैं ।
र्+म = र्म – कर्म
जब 'र' स्वर सहित होता है यानी पूरा होता है तब वह अपने से पहले व्यंजन के नीचे व्यंजन की खड़ी पाई में लगता है इसे पदेन कहते हैं; जैसे-
क्+ र= क्र – क्रम
'ट् 'और 'ड्' के साथ 'र' जुड़ने पर'र' का रूप भी पदेन कहलाता है;जैसे –
ट्+ र= ट्र –ट्रक

- **वर्ण -विच्छेद-**

किसी शब्द के वर्णों को अलग अलग करके लिखना वर्ण -विच्छेद कहलाता है ।
गुलाब = ग्+उ +ल्+आ+ब+अ
त्रिभुज = त्+ र्+इ+भ्+उ+ज्+अ

गृहकार्य :-

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

(—) वर्ण किसे कहते हैं? वर्णों के कितने भेद हैं?

उत्तर - भाषा की सबसे छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते , वह वर्ण कहलाती है। वर्ण दो प्रकार के होते हैं -स्वर और व्यंजन ।

(二) स्वर और व्यंजन में अंतर बताइए ।

उत्तर- जिन वर्णों के उच्चारण में किसी दूसरी ध्वनि की सहायता नहीं ली जाती ,उन्हें स्वर वर्ण करते हैं । हिंदी में 11 स्वर हैं ।
. जिन वर्णों के उच्चारण में स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है उन्हें व्यंजन कहते हैं, हिंदी में 33 व्यंजन है।

(三) संयुक्ताक्षर और द्वित्व व्यंजन में क्या अंतर है ?

उत्तर- संयुक्ताक्षर -जब दो भिन्न व्यंजनों को मिलाकर लिखा जाता है तो वह संयुक्ताक्षर कहलाता है। इसमें पहला व्यंजन स्वर रहित तथा दूसरा स्वर सहित होता है ;जैसे-
द् + ध =द्ध - युद्ध
द्वित्व व्यंजन - दो समान व्यंजनों को मिलाकर बने व्यंजन द्वित्व व्यंजन कहलाते हैं।इसमें भी पहला व्यंजन स्वर रहित और दूसरा स्वर सहित होता है ; जैसे –
ड् +ड =ड्ड – लड्डू

(四) वर्ण विच्छेद किसे कहते हैं?

उत्तर- किसी शब्द के वर्णों को अलग- अलग करके लिखना वर्ण -विच्छेद कहलाता है ।जैसे –
गिलास - ग्+ इ+ ल्+आ+स्+अ

निम्नलिखित शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए।

(क) गिलास _____

(ख) कलश _____

(ग) सूर्य _____

(घ) आँगन _____

(ङ) रिक्शा _____

संयुक्त व्यंजन, संयुक्ताक्षर और द्वित्व व्यंजन वाले तीन-तीन शब्द लिखिए।

संयुक्त व्यंजन _____ _____ _____

संयुक्ताक्षर _____ _____ _____

द्वित्व व्यंजन _____ _____ _____